पहले वैगनर ग्रुप के चीफ की मौत हुई अब इसे आतंकी संगठन घोषित किया रूस ने

राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ विद्रोह खड़ा करने वाले येवेगिनी प्रिगोझिन की कुछ दिनों पहले एक प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी

- **प्लेन क्रैश के पीछे भी राष्ट्रपति पुतिन का ही हाथ बताया जा रहा है। जैसा कि विदित है कि, वैगनर ग्रुप कभी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बेहद करीबी था। यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई में यह प्राइवेट आर्मी शुरुआत से पुतिन के साथ थी।**
- **करीब चार-पांच माह पहले वैगनर ग्रुप ने प्रिगोझिन के निर्देश पर राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ विद्रोह छेड़ दिया था तथा पुतिन के आवास की तरफ बढ़ना शुरु कर दिया था, तभी से पुतिन और प्रिगोझिन के बीच रिश्ते खराब हो गये थे।**

मॉस्को, 15 सितम्बर। रूस के वैगनर ग्रुप को ब्रिटेन ने आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। गौरतलब है कि, कुछ दिनों पहले एक प्लेन क्रैश में वैगनर ग्रुप के प्रमुख येवेगनी प्रिगोझिन की मौत हो गई थी।

जैसा कि विदित है कि, वैगनर ग्रुप कभी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बेहद करीबी था। यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई में यह प्राइवेट आर्मी उसके साथ थी। जनवरी में इस ग्रुप के मुखिया येवेगनी प्रिगोझिन ने यूक्रेन में डोनेट्स्क क्षेत्र के नमक-सोलेडर शहर पर कब्जा करने का पूरा श्रेय लिया। लेकिन यूक्रेन में उसके मुखिया येवेगनी प्रिगोझिन ने बगावत कर दी थी। हालांकि जल्द ही फिर वह रूस के सामने झुक गए थे और माफी मांग ली थी। माना जा रहा था कि इसके बाद वैगनर ग्रुप की बगावत को माफी मिल जाएगी। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद प्रिगोझिन की क्रैश में मौत हो गई थी।

पी.एम.सी. वैगनर कहा जाने वाला यह ग्रुप एक रूसी अर्धसैनिक संगठन है। यह एक प्राइवेट मिलिट्री कंपनी है, जिसमें भाड़े के सैनिक हैं। इस पर रूस का कोई कानून लागू नहीं होता। शुरू में यह संगठन छिपे तौर पर ही थी, लेकिन पहली बार साल 2014 में यह सुर्खियों में आया। तब 2014 में पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष के दौरान इसका नाम आया था।

यह प्राइवेट मिलिट्री संगठन यूक्रेन अभियान का एक अहम हिस्सा था। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पूर्वी यूक्रेन में स्थित बखमुत शहर पर रूस के कब्जे में भी वैगनर का रोल काफी अहम रहा। इस ग्रुप में सैनिकों की संख्या कितनी है, इसको लेकर अलग-अलग दावे हैं। वैगनर ग्रुप का नाम उसके पहले कमांडर, दिमित्री उत्किन के नाम पर पड़ा। रूस की सेना के विशेष बलों के रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल दिमित्री का निकनेम वैगनर था।

वैगनर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की तो इसका जन्म साल 1961 में लेनिनग्राड में हुआ था। इस शहर को अब सेंट पीट्सबर्ग के नाम से जाना जाता है। 1981 में येवगेनी को 13 साल की सजा सुनाई गई थी। उस पर मारपीट, डकैती और धोखाधड़ी का दोष लगे थे। बाद में सोवियत यूनियन के पतन के बाद येवगेनी को 9 साल की सजा के बाद ही रिहा कर दिया गया था। जेल से बाहर आने के बाद पहले येवगेनी ने हॉट डॉग का स्टॉल लगाया। इसके बाद रेस्टोरेंट खोल दिया। यहां से उसे मशहूरी मिली और रूस के राष्ट्रपति उसके यहां खाना खाने जाने लगे। यहां प्रिगोझिन की करीबी पुतिन से हुई और उसने अपना बिजनेस और बढ़ाया। इसके बाद प्रिगोझिन ने ही रूसी सेना के समर्थन से एक प्राइवेट आर्मी बनाई, जिसे वैगनर ग्रुप का नाम दिया गया। उसने इस प्राइवेट आर्मी में रिटायर्ड सेना के अधिकारी, जवानों को शामिल किया गया।

"फ्री स्मार्टफोन" फटा

अजमेर, 15 सितम्बर (निस)। अजमेर के कोटड़ा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के तहत मिले मोबाइल फोन में ब्लास्ट हो गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। अलमारी में रखे फोन में ब्लास्ट होने से 21 हजार रुपए, कपड़े और दस्तावेज जल गये। लाभार्थी महिला ने मोबाइल की क्वालिटी पर सवाल खड़े किए हैं।

- **अजमेर के कोटड़ा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के तहत मिला मोबाइल फोन अलमारी में रखे रखे ही ब्लास्ट हो गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।**

वहीं जानकारों को कहना है कि, अधिक चार्ज करने से या बैटरी फूल जाने से मोबाइल में ब्लास्ट हो जाता है।

वाल्मीकि कॉलोनी कोटड़ निवासी अनु देवी ने बताया कि, मैं घरों में खाना बनाने का काम करती हूं। सुबह काम पर गई थी। 15 वर्षीय बेटा अनुराग घर पर था। करीब 10 बजे अनुराग का फोन आया। उसने कहा कि, मां अलमारी से धुआं निकल रहा है, मैं घबरा गई। भागती हुई घर पहुंची और अलमारी को खोलकर देखा तो स्मार्टफोन में ब्लास्ट हो चुका था। अलमारी में धुआं भरा हुआ था। मोबाइल के साथ रखा चार्जर भी जल गया था।

भाजपा सांसद ने विकास की बात पूछने पर ग्रामीण को कई थप्पड़ जड़े

यू.पी. के बरेली में हुई इस घटना के बाद ग्रामीणों ने सांसद की कार को घेर लिया और सांसद को वहां से घंटों तक जाने नहीं दिया

लखनऊ, 15 सितम्बर। यू.पी. के बरेली जिले में भाजपा सांसद से विकास कार्यों को लेकर सवाल करना एक ग्रामीण को भारी पड़ गया। आरोप है कि सांसद ने ग्रामीण को थप्पड़ जड़ दिया। ग्रामीण को थप्पड़ जड़ने की खबर से खासा हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने सांसद की गाड़ी को रास्ते में घेर लिया। काफी देर तक सांसद गाड़ी में ही बैठे रहे लेकिन उन्हें जानें नहीं दिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह सांसद की गाड़ी को आगे निकाला। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि सांसद ने थप्पड़ मारने की बात से इनकार किया है।

शुक्रवार को आंवला विधानसभा क्षेत्र के गांव अन्तपुर में ग्राम पंचायत सचिवालय पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन था। जिसमें आंवला सांसद धर्मेन्द्र कश्यप ने ग्रामीणों से एक कलश में मिट्टी एकत्र की। इस दौरान पूर्व प्रधान तालेवार सिंह के पुत्र अमन, राहुल सिंह, विपिन ने सांसद के सामने गांव में गंदगी फैले होने और सफाई नहीं किए जाने की बात कही। जिस पर सांसद ने कहा कि वह 25 युवकों का ग्रुप बना लें और उन्हें भी फोन कर लें तो सभी गांव स्वच्छता अभियान के तहत सफाई करेंगे। इससे लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता पैदा होगी और गांव की सफाई भी हो जाएगी। तब युवकों ने ग्राम सांसद निधि से सड़क न बनवाने का आरोप लगाया, तो सांसद ने समझाते हुए कहा कि लोकसभा क्षेत्र बढ़ा है और उन्होंने विकास कार्य कराए हैं।

इस पर युवकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं तथा सांसद की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों ने तीनों युवकों को कार्यक्रम से बाहर निकाल दिया। युवकों ने सांसद पर थप्पड़ मारने का आरोप लगा दिया। बाहर आकर एक युवक नारेबाजी करने लगा। सांसद के जाने के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने लगा जिसमें सांसद की गाड़ी जा रही है। लोग कह रहे है कि आखिर सांसद ने थप्पड़ क्यों मारा? तीनों युवकों ने लिखित और मौखिक रूप से थप्पड़ मारे जाने की कोई शिकायत नहीं की है।

भाजपा के मझगवां मंडल अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम विकास को लेकर सांसद से बहस हुई थी।

बाद में युवकों के परिजन सांसद के महोलिया स्थित आवास पर आए और वहां सांसद को बुलाकर तीनों युवकों तथा उनके परिजनों ने सांसद से माफी मांग कर मामला दफा-दफा करवा दिया। सांसद मीडिया प्रभारी राहुल कश्यप ने बताया कि सड़क नहीं बनने को लेकर सांसद से कहासुनी हुई, तो पूर्व प्रधान के लड़के गाली-गलौज पर उतर आए। बाद में समझौता हो गया, थप्पड़ मारने की बात पूर्णतया गलत है।

आंवला सांसद धर्मेन्द्र कश्यप ने बताया, मैं अपने साथियों के साथ अंतपुर गांव में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में हिस्सा लेने गया था। पंचायत भवन में बैठक की। मीटिंग के दौरान गांव में साफ-सफाई को लेकर पूर्व प्रधान के दो बेटों की मौजूदा प्रधान से कहासुनी हो गई। समझाने की कोशिश की। पूर्व प्रधान के बेटे नहीं माने। प्रधान ने पुलिस को फोन करके बुला लिया। बाद में पूर्व प्रधान ने अपने बेटों के साथ प्रधान पक्ष से माफी मांग ली है। मामला रफा दफा करा दिया गया है। मैंने किसी को थप्पड़ नहीं मारा।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सप्लायर से 5.3 किलो सोना बरामद

- **ई.डी. की टीमों ने हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में ढाई करोड़ रू. व सोने की ईंट मिलने के मामले में आरोपियों के करीब 17 ठिकानों पर छापे मारे थे।**
- **ई.डी. ने कई डिज़िटल साक्ष्य और आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए हैं।**

जयपुर, 15 सितम्बर। राजधानी के अशोक नगर में सचिवालय के पास योजना भवन स्थित डी.ओ.आई.टी.एण्ड सी. (डिपार्टमैंट ऑफ इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी एण्ड कम्युनिकेशन) के कार्यालय में पिछले दिनों मिले ढाई करोड़ रुपए व सोने की ईंट के मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने और खुलासा किया है। ई.डी. की टीमों ने हाल ही में इस मामले में आरोपियों के करीब 17 ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया था। इस दौरान डी.ओ.आई.टी. एण्ड सी. से जुड़ी विभिन्न फर्म और कंपनियों के आवास, कार्यालय और लॉकरों की जांच की गई। ई.डी. ने डी.ओ.आई.टी. एण्ड सी. में सप्लाई का ठेका लेने वाली एक फर्म के मालिक के यहां से 5.3 किलो सोना बरामद किया, जिसकी कीमत 3.21 करोड़ रुपए आंकी गई है। ई.डी. की टीम ने कई डिजिटल साक्ष्य और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। अब ऐसी ही अन्य कम्पनियां और संदिग्ध अधिकारी ई.डी. के रडार पर हैं।

ई.डी. ने इस मामले में दस अगस्त को जांच शुरू की थी। डी.ओ.आई.टी. एण्ड सी. के संयुक्त निदेशक वेद प्रकाश यादव को गिरफ्तार करने के साथ ही उसके जयपुर के मुरलीपुरा और यूपी के आजमगढ़ स्थित दो ठिकानों पर छापा मारा था। ई.डी. ने वेद प्रकाश को चार दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी, जिसमें उसकी नजदीकी के जो नाम सामने आए थे उनसे पड़ताल कर रही है। इसी के तहत एक कम्पनी के ठिकाने से यह सोना बरामद किया गया है।

गौरतलब है कि, इससे पहले डी.ओ.आई.टी. एण्ड सी. कार्यालय में 20 मई को 2.31 करोड़ रुपए व एक किलो सोना मिला था। इस मामले में ए.सी.बी. ने जांच कर अदालत में यादव के खिलाफ 18 जुलाई को चालान पेश किया था। हालांकि ए.सी.बी. यादव से कुछ उगलवा नहीं पाई।

एडिटर्स गिल्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ विभिन्न ग्रुपों में शत्रुता को कथित रूप से बढ़ाये जाने को मणिपुर में दो एफ.आई.आर. दर्ज हुई थी।

शीर्ष अदालत ने 11 सितम्बर को ई.जी.आई. तथा इसके सदस्यों को अवपीड़क कार्यवाही से शुक्रवार तक के लिए संरक्षण प्रदान किया था।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला एवं मनोज मिश्रा ने ई.जी.आई. तथा इसके चार सदस्यों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराने वाले व्यक्ति से इस बात का जवाब माँगा है कि वे इस निष्कर्ष पर कैसे पहुँचे कि इन चार लोगों ने विभिन्न नृजातीय ग्रुपों के बीच शत्रुता बढ़ाने का अपराध किया है।मणिपुर सरकार, जिसकी पैरवी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कर रहे हैं, ने कहा कि शीर्ष अदालत ई.जी.आई. तथा उसके सदस्यों को कुछ और समय तक के लिए संरक्षण प्रदान कर सकती है तथा बैंच चाहे तो यह मुकदमा दिल्ली उच्च न्यायलय में स्थान्तरित किया जा सकता है।

ई.डी. ने आर.पी.एस.सी. सदस्य कटारा और दलाल को गिरफ्तार किया

पेपर लीक प्रकरण में ई.डी. ने यह गिरफ्तारी की है

- **कटारा एवं दलाल शेर सिंह मीणा को ई.डी. ने जयपुर से गिरफ्तार किया।**
- **कोर्ट ने इन पर तीन दिन का रिमांड मंजूर किया है।**

जयपुर 15 सितंबर (का.प्र.)। पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट /ई.डी) ने शुक्रवार को आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और दलाल शेर सिंह मीणा उर्फ अनिल मीणा को जयपुर से गिरफ्तार किया। ई डी ने दोनों को कोर्ट मे पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया है।

पेपर लीक मामले में ए.सी.बी. में केस दर्ज होने के बाद ई.डी. एक्टिव हो गई। ई.डी. ने कई बार जयपुर सेंट्रल जेल में जाकर बाबूलाल कटारा से पेपर लीक मामले में पूछताछ की। यहां तक कि, आर.पी.एस.सी. के अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय समेत कई अधिकारियों से भी सवाल किए गए।

अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार किए गए कटारा को लेकर वे आर.पी.एस.सी. भी जा सकते हैं। कटारा को सबसे पहले ए.सी.बी. ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद जेल भेज दिया गया था। कुछ समय पहले ही कटारा जमानत पर जेल से बाहर आया था। ई.डी. ने आर.पी.एस.सी. अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय से भी इस संबंध में पूछताछ की थी। उनसे सवाल किए गए छे कि, आखिर किस प्रकार से पेपर लीक हुए? पेपर लीक होने के क्या कारण रहे? पेपर सेट करना किन-किन लोगों की जिम्मेदारी में तय होता था? इसके बाद ई.डी. ने जेल में बाबूलाल कटारा और अनिल सहित पूर्व में गिरफ्तार किए गए कई आरोपियों से पूछताछ की। ई.डी. को कटारा के खिलाफ कई सबूत मिले थे।

बघेल से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साल बाद रोटेशन पद्धति में उनके मुख्यमंत्री बनने से रोड़ा अटकाया था। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्यस्थता कर सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाकर शांति करवाई। लेकिन इसके वांछित परिणाम नहीं निकले लगते है। और अब राज्य के कांटे के विधानसभा चुनाव से पहले सिंहदेव द्वारा प्रधानमंत्री की प्रशंसा करने से कांग्रेस को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। आज प्रधानमंत्री की मौजूदगी में बोलते हुए सिंहदेव ने कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि उन्हें छत्तीसगढ़ की धरती पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन से राज्य के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और भविष्य में भी हम शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के लिए मिलकर काम करेंगे।

भाजपा नेताओं के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"सनातन (धर्म) का विरोध नहीं करना चाहिए बल्कि मलेरिया, डेंगू और मच्छरों की तरह इसका सफाया करना चाहिए।

द्रमुक के नेता ए. राजा ने भी कहा कि सनातन धर्म की तुलना एड्स एवं कुष्ठ जैसी बीमारियों से करनी चाहिए जिन पर सामाजिक दाग लगा हुआ है।

कांग्रेस ने कहा है कि वह उदयनिधि स्टालिन और ए.राजा के बयानों से सहमत नहीं है और वह सर्वधर्म समभाव में विश्वास करती है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि उनके पुत्र ने सनातन द्वारा प्रचारित अमानवीय सिद्धांतों का विरोध किया था जो अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव करते हैं और उदयनिधि का इरादा किसी धर्म या धार्मिक आस्थाओं का विरोध करना नहीं था।

मोदी और निर्मला दोनों ने ही हिन्दुत्व शब्द का उल्लेख नहीं किया, जिसका वह आरंभ से प्रयोग करती आ रही है और कभी सनातन का उपयोग नहीं किया। आर.एस.एस. ने शुरु से ही हिन्दुत्व पर जोर दिया और सनातन को वह कमज़ोरों का धर्म समझती है।

सूत्रों ने कहा कि रणनीति में परिवर्तन इसलिए हुआ क्योंकि सनातन या हिन्दू की स्वीकार्यता हिन्दुत्व से ज्यादा है और चूँकि उदयनिधि ने सनातन धर्म शब्द का उपयोग किया इसलिए भाजपा को हिन्दुत्व की बजाय इसके उपयोग में जनता का मन जीतने का मौका दिखा।

आगामी सप्ताहों और माहों में आम चुनाव होने तक मोदी सरकार के मंत्री इंडिया गठबंधन पर हमला बोलने के लिए उसे सनातन विरोधी प्रचारित करेंगे। बहुत सी विपक्षी पार्टियां सनातन को मानती हैं लेकिन वे भाजपा-आर.एस.एस. के हिन्दुत्व के खिलाफ हैं।

दूध के पैसे मांगने पर दो पक्षों में विवाद, गोलियां चलीं, 3 की मौत

पटना, 15 सितम्बर। बिहार की राजधानी पटना के फतुहा थानाक्षेत्र के सुरगा पर गांव में बीती दूध के बकाया पैसे मांगने के मामूली से विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर गोलीबारी हो गई। गोलीबारी की घटना में गोली लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोलीबारी के बाद आनन फानन में गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को इलाज के लिए फतुहा पी.एच.सी. में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

बताया जाता है कि दूध का बकाया राशि मांगने को लेकर दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें गोली लगने से एक पक्ष के जय सिंह और शैलेश कुमार की मौत हो गई। वहीं गोलीबारी में दूसरे पक्ष के प्रदीप कुमार की गोली लगने से मौत हो गई, वहीं मिंटूस कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया यह भी जाता है की गांव के जय सिंह का प्रदीप कुमार के साथ जमीन का विवाद भी चल रहा था, और जमीनी विवाद के क्रम में ही दोनों पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए,और देखते ही देखते मारपीट और गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें गोली लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं गंभीर रूप से घायल एक युवक को प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज को लेकर पी.एम.सी.एच. रेफर कर दिया। गोलीबारी में तीन लोगों की मौत की सूचना मिलते ही फतुहा डी.एस.पी. समेत विभिन्न थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंची।

मोदी के जन्मदिन को बेहद खास अंदाज में मनायेगी भाजपा

- **कार्यकर्ता एवं नेता विभिन्न हिस्सों, मंदिरों इत्यादि में केन्द्रीय योजनाओं के लाभार्थियों को इकट्ठा करेंगे तथा प्र.मंत्री मोदी की लम्बी उम्र के लिए प्रार्थनायें होंगी।**
- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन, 17 सितंबर को इस बार विश्वकर्मा जयंती भी है, इस मौके पर कारीगरों और शिल्पकारों और पारंपरिक कौशल में लगे लोगों की मदद के लिए प्रधानमंत्री एक नई योजना, "पी.एम. विश्वकर्मा" का शुभारंभ करेंगे।**

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। भाजपा रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए खास आयोजन करने वाली है। इसके लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को इकट्ठा करने की योजना बनाई जा रही है। भाजपा के कार्यालय सचिव शिव शक्ति नाथ बख्शी ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, पी.एम. स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि और आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी घरों और मंदिरों में 25 से 50 के समूहों में इकट्ठा होंगे। इस दौरान यह लोग प्रधानमंत्री की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करेंगे। बख्शी ने कहा कि कृपया यह सुनिश्चित करें कि सभी सांसद इन कार्यक्रमों का आयोजन करें और उनमें भाग लें। हमें हर शक्ति केंद्र में कम से कम एक कार्यक्रम का लक्ष्य रखना चाहिए।

केंद्र सरकार ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए कई कार्यक्रमों की योजना बनाई है। केंद्र सरकार 2014 के बाद से शुरू की गई स्वास्थ्य योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए आयुष्मान भव कार्यक्रम भी शुरू करेगी। इसमें प्रमुख आयुष्मान भारत योजना भी शामिल है जो आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वालों के लिए सब्सिडी वाली स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर कारीगरों और शिल्पकारों और पारंपरिक कौशल में लगे लोगों की मदद के लिए एक नई योजना 'पी.एम. विश्वकर्मा' का शुभारंभ करेंगे।

सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, योजना के तहत, लक्षित लाभार्थियों को पी.एम. विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आई.डी. कार्ड के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी। इसके तहत बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण से जुड़े कौशल उन्नयन, 15,000 रुपये का टूलकिट प्रोत्साहन, लाख रुपये तक संपार्श्विक-मुक्त क्रेडिट सहायता (पहली किस्त) और पांच प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 2 लाख रुपये (दूसरी किस्त) और डिजिटल लेन-देन और विपणन सहायता के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इस योजना की घोषणा सबसे पहले प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर की थी। इस बीच, पार्टी सेवा पखवाड़े का आयोजन भी करेगी, जो एक पखवाड़े तक चलने वाला कार्यक्रम है जिसमें राज्य स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम शामिल होंगे।

'कांग्रेस पांचों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से ही लम्बित है। हम महिला-आरक्षण के पक्षधर है, इसमें कोई विवाद नहीं है। जहाँ तक राहुल गांधी का संबंध है, हमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री की पुत्री कविता जी के किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।"

एक अन्य प्रश्न के जवाब में, उन्होंने संसदीय लोकतंत्र में किसी प्रकार की पारदर्शिता न रखने के लिये तथा विशेष सत्र के दो दिन पहले तक उसके एजेंडा की जानकारी नहीं दिया जाने के लिये सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, "साफ बात यह है कि हमें मालूम ही नहीं कि हम पर थोपे जाने वाला ऐसा क्या अतिरिक्त एजेंडा है। सत्तारूढ़ दल तथा सरकार के ऐसे छिपे एजेंडा ला रही है ताकि लोकतंत्र को कमज़ोर किया जा सके। जो कुछ सामने आयेगा, हम उसका सामना करेंगे।

वेणुगोपाल ने विधानसभा चुनावों में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.सी.आर. के साथ हमारा किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है क्योंकि हमारा पिछला अनुभव यह कह रहा है कि के.सी.आर. और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

जब काला कृषि कानून आया था, उस समय के.सी.आर. की पार्टी ने उस कानून का समर्थन किया था। जब-जब भी संसद में अलोकतांत्रिक किस्म के कानून बने है, के.सी.आर. की "भारत राष्ट्र समिति" (बी.आर.एस.) ने उनका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसी पार्टी से किसी प्रकार का कोई संबंध कैसे रख सकती है।

कोविड से कहीं ज्यादा खतरनाक है नीपाह वायरस, डैथ रेश्यो 40 से 70 प्रतिशत

केरल में संक्रमित पाये गये 10 में से छः लोगों की मौत हो चुकी है

- **केंद्र सरकार ने कुछ आंकड़े जारी किए हैं, जो काफी डराने वाले हैं। आई.सी.एम.आर. के डी.जी. राजीव बहल ने बताया है कि, नीपाह में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर बहुत अधिक (40 से 70 प्रतिशत के बीच) है, जबकि कोविड के मामले में मृत्यु दर 2-3 प्रतिशत थी।**

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली, 15 सितम्बर। केरल में नीपाह वायरस संक्रमण बेकाबू होता नजर आ रहा है। यहां कोझिकोड जिले में एक 39 वर्षीय शख्स मिला है जो इस बीमारी के संक्रमण का शिकार हो गया है। इस व्यक्ति ने एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज की मांग की थी, जहां पूर्व में निपाह वायरस से प्रभावित लोगों का पहले अन्य बीमारियों के लिए इलाज किया गया था। इसके साथ ही केरल में निपाह के कुल मामले बढ़कर छः हो गए हैं। जानवरों से मनुष्यों में प्रजातियों के बीच फैलने वाले जूनोटिक वायरस ने इस साल केरल में पहले ही दो लोगों की जान ले ली है। 2018 के बाद से यह बीमारी चौथी बार इस प्रदेश में फैली है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के ऑफिस ने इस 39 वर्षीय शख्स के निपाह वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की है। इस शख्स को अस्पताल में निगरानी में रखा गया था।

केरल में सामने आ रहे निपाह वायरस को लेकर केंद्र सरकार ने कुछ आंकड़े जारी किए हैं, जोकि काफी डराने वाले हैं। आई.सी.एम.आर. के डी.जी. राजीव बहल ने बताया है कि निपाह में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर बहुत अधिक (40 से 70 प्रतिशत के बीच) है, जबकि कोविड के मामले में मृत्यु दर 2-3 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि निपाह के प्रकोप को रोकने की कोशिशें जारी हैं। सभी संक्रमित व्यक्ति इंडेक्स पेशेंट (पहला संक्रमित मरीज) के संपर्क में आए थे।

आई.सी.एम.आर. डी.जी. राजीव बहल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे पास केवल 10 रोगियों के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडी खुराक हैं; अब तक किसी को भी नहीं दी गई है। भारत ने मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 और खुराक मांगी है, संक्रमण के प्रारंभिक चरण के दौरान दवा दी जानी चाहिए।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण राज्य सरकार ने उन सभी लोगों की जांच का फैसला किया जो संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हैं और जिनके संक्रमित होने का जोखिम अधिक है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि व्यक्ति ने एक निजी अस्पताल में इलाज की मांग की थी।

बैठक में जॉर्ज के अलावा मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास, अहमद देवरकोविल और ए. के. शशिंद्रन ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए जॉर्ज ने कहा कि वायरस से संक्रमित नौ साल का लड़का वेंटिलेटर सपोर्ट पर है, उसके अलावा प्रभावित अन्य लोगों की स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर है। उन्होंने कहा कि संदेह है कि उपचाराधीन मरीज उस व्यक्ति से संक्रमित हुआ था जिसकी 30 अगस्त को मृत्यु हो गई थी।

चीन के रक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके ना होने से चीन के उच्च सैन्य स्तर पर खलबली मची है। इन बदलावों से संकेत मिलता चीन के राष्ट्रपति एकदम निरकुंश हो गए है। उन्होंने कैबिनेट के बीच जिम्मेदारी बांटने की पुरानी व्यवस्था को बदल दिया है। वे देंग शाओपिंग द्वारा किए गए सुधारों को खत्म कर रहे है। देश सुधारो के अनुसार राष्ट्रपति को सिर्फ दो कार्यकाल मिलने चाहिए पर शी ने खुद को आजीवन राष्ट्रपति व चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का चेयरमैन बनाए रखने की व्यवस्था कर ली है।

'पत्रकारों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस कदम की अत्यधिक निंदा करती है। भाजपा के नैशनल मीडिया हैड, अनिल बलूनी ने कहा, "भारतीय जनता पार्टी ऐसी अपमानजनक मानसिकता का विरोध करती है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में रूकावट डालती है। घमण्डिया गठजोड़ में शामिल राजनीतिक पार्टियों द्वारा लिया गया, कुछ पत्रकारों को बायकॉट करने का निर्णय आपातकाल की उनकी मानसिकता को दर्शाता है। हम सबने देखा है कि, इसी तरह से आपातकाल के दौरान कैसे मीडिया का गला घोंटा गया था। आज भी "घमण्डिया" गठजोड़ मीडिया के विरुद्ध आपातकाल की मानसिकता और बदले की भावना के साथ काम कर रहा है।" अनिल बलूनी ने सभी मीडिया संगठनों तथा सभी समर्पित व इमानदार पत्रकारों से अपील की है कि, ऐसी लज्जाजनक मानसिकता वाली राजनीतिक पार्टियों का जोरदार तरीके से विरोध करें और बिना भय के देश तथा हमारे समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाते रहें।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908